मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, बिहार-848 125

खंड–4, अंक–9

सितम्बर-2023

संपादकीय

संरक्षक:

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:

डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. शंकर झा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. मोहित शर्मा
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग:

मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे सितंबर, 2023 महीने के लिए विश्वविद्यालय ई-न्यूज़लेटर प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है जिसमें हमारे विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय महत्व के कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों और पहलों पर प्रकाश डाला गया है।

सबसे पहले मैं भारतीय चंद्रयान की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक पहुंचने हेतु देश के इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ, निस्संदेह हमारे राष्ट्र के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। यह हमें उस श्लोक का स्मरण कराता है जहाँ कहा गया है कि, “दुर्लभन्यापि कार्यानि सिद्यन्ति प्रोद्यमेन हि। शिलापि तनुतां याति प्रपातेनार्नसो मुहुः।।” अर्थात सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यों को लगातार प्रयास से उसी तरह हासिल किया जा सकता है, जैसे धीरे-धीरे कठिन चट्टान से पानी के लगातार गिरने से चट्टान का क्षरण होता है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि यह दर्शाती है कि हमने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। यह उपलब्धि नवाचार और उत्कृष्टता की भावना के साथ प्रतिध्वनित होती है जो हमारे राष्ट्र की एकता को परिभाषित करती है और हम अपने राष्ट्र से जुड़ते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमने भविष्य में विश्वविद्यालय के निरंतर विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की । "अमृत काल" के युग में, हमारे युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, और हमारा विश्वविद्यालय वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए उत्कृष्ट मानव संसाधनों के निर्माण हेतु समर्पित है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रमों को साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हाल ही में हमारे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा, एवं भारतीय कृषि अभियांत्रिकी सोसायटी (बिहार चैप्टर) के सहयोग से और कृषि मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (बिहार) ने इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट पर एक सराहनीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए नीति निर्माण एवं सटीक मशीनरी के विकास पर चर्चा करना था। कृषि क्षेत्र के विकास में यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला में योगदान देने की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

हमने हाल ही में R सॉफ्टवेयर का उपयोग कर उन्नत सांख्यिकीय एनालिसिस को दृष्टिगत रखते हुए एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला हमारे संकाय सदस्यों के सांख्यिकीय कौशल विकास हेतु आयोजित की गई जिससे उन्हें सांख्यिकी के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के साथ तालमेल बिठाने में मदद मिल सके। प्रकाशन के प्रति संकाय सदस्यों को सशक्त बनाने के लिए भी यह आवश्यक है वैश्विक स्तर की उच्च प्रभाव वाली शोध पत्रिकाओं में सांख्यिकीय कौशल युक्त शोध पत्र प्रकशित किया जाये। साथ हीं मुझे यह भी उम्मीद है कि संकाय सदस्यों को मिली CAS पदोन्नति उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्य के लिए प्रोत्साहित करेगी।

तिरहुत कृषि महाविद्यालय (TCA), ढोली जो 1960 से अस्तित्व में है की विरासत पर हमें बहुत गर्व है। हमारे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिदृश्य को आकार देने में इस महाविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विगत माह में आयोजित महाविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह, अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी स्थायी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

अकादमिक उत्कृष्टता की हमारी खोज में, हम सांस्कृतिक महत्व और भाषाई विभिन्नता को भी समझते हैं और इसी के फलस्वरूप हम हिंदी और अंग्रेजी भाषा के प्रयोग पर जोर दे रहे हैं। आधिकारिक कामकाज और प्रशासन के संचार के लिए क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ हमारी समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और नवीनता लाने के लिए किसान अनुकूल प्रौद्योगिकियाँ किसानों को उनकी अपनी भाषा में प्रदान करने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं।

इस वर्ष से, हम अपने विश्वविद्यालय न्यूज़लेटर की पहुंच शैक्षणिक समुदाय से परे, उद्योग, निजी संस्थाओं एवं अन्य भागीदारों तक बढ़ा रहे हैं साथ ही उन्हें ज्ञान साझा करने और सहयोग की हमारी यात्रा में निमंत्रित कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य सतत उद्योग-अकादमिक इंटरफ़ेस, समग्र विकास के लिए सहयोग को बढ़ावा देना है। हमारा मानना है कि शिक्षा और उद्योग के बीच एक मजबूत साझेदारी, वर्तमान समय की जटिल चुनौतियाँ से निपटने में कारगर सिद्ध हो सकती हैं।

हम सतत आगे बढ़ते रहें और अपनी उपलब्धियों को याद रखें साथ ही यह प्रयास करें कि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्र के विकास में अपने योगदान को सुनिश्चित करें। उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटल है, आइये साथ मिलकर विश्वविद्यालय को महान ऊँचाइयों पर पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

जय हिन्द ।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

Monthly e-Newsletter

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University

Pusa, Bihar-848 125

Volume-4, Issue-9 September-2023

EDITORIAL BOARD

Chief Patron:
Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & Edited by:
Dr. R.M. Sharma
Dr. Shankar Jha
Dr. Satya Prakash
Dr. Mohit Sharma
Dr. A.K. Panda
Dr. S. Nandni
G. Trivedi

Tech. Assistance :
Manish Kumar

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.

Contact:
www.rpcau.ac.in

Vice-Chancellor's Message

Dear Readers,

I am pleased to present the university e-newsletter for the month of September, 2023 which carries the highlights of many significant achievements and initiatives of our university of national importance.

Let me begin with highlighting India's recent milestone of reaching the moon, which is undoubtedly a moment of great pride for our nation. It recalls of the verse, “दुर्लभान्यपि कार्याणि सिद्यन्ति प्रोद्यमेन हि। शिलापि तनुतां याति प्रपातेनार्णसो मुहुः।।” which translates to, 'Even the most challenging tasks can be achieved through persistent effort, just as a hard rock gradually erodes through the constant fall of water'. This achievement showcases the remarkable progress we have made in the field of science and technology. This achievement resonates with the spirit of innovation and excellence that defines our nation and we join our nation for celebrating this occasion.

On the occasion of India's Independence Day, we reaffirmed our commitment to shaping the future. In the era of "Amrit Kaal," the role of our youth is pivotal, and our university is dedicated to nurturing excellent human resources to meet the global standards.

Further, I am delighted to share some of the noteworthy events and initiatives that have taken place within our university. The College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa, in collaboration with the Indian Society of Agricultural Engineers (Bihar Chapter) and the Agricultural Machinery Manufacturers Association (Bihar Chapter), organized a commendable event on Industry-Academia Meet. It aimed to discuss and formulate policies for boosting farm mechanization and advancing the development of precision machineries. It exemplifies our commitment in contributing the growth of the agriculture sector, a cornerstone of our nation's economy.

We recently hosted a three-day workshop focusing on advanced statistical tools using R programme. This workshop was designed towards upskilling our faculty members, equipping them to keep pace with the rapid developments in the field of statistics and research methods. It is also imperative for empowering faculty members towards publishing in high impact research journals of global standard. I hope faculties getting promotion under CAS will get booster dose on raising the bars for impactful & high quality academic and research work.

The legacy of Tirhut College of Agriculture (TCA), Dholi, which has been in existence since 1960, is something we take immense pride in. This institution has played a pivotal role in shaping the academic landscape of our university and continues to do so. The foundation day celebration of Tirhut College of Agriculture was a reminder of our enduring commitment to academic excellence.

In our pursuit of academic excellence, we also understand the importance of cultural and linguistic diversity. We are emphasizing the use of Hindi and English language in our official work and administration along with regional languages for communication of farmer's friendly technologies to preserve our rich linguistic heritage and take the innovative technologies to farmers in their own languages.

This year, we eagerly embrace the opportunity to extend the reach of our university newsletter beyond our academic community, inviting our industry partners and friends to join us in our journey of knowledge sharing and collaboration. This initiative aims to foster a sustainable industry-academia interface, promoting collaboration for holistic development. We believe that a strong partnership between academia and industry is vital to address the complex challenges of our times.

As we continue to move forward, let us remember that every achievement and every endeavor contribute to the growth of our institution and the nation at large. Our commitment to excellence remains unwavering, and together, we shall strive for greater heights.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➤ उद्योग-अकादमिक सम्मेलन

दिनांक 26 अगस्त 2023 को कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा, एवं भारतीय कृषि अभियांत्रिकी सोसायटी (बिहार चैप्टर) के सहयोग से और कृषि मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (बिहार) ने इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट पर एक सराहनीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए नीति निर्माण एवं सटीक मशीनरी के विकास पर चर्चा करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय उपाध्यक्ष ने की। इस कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय और बिहार के 15 अग्रणी उत्पादकों ने भाग लिया।

➤ प्रायोगिक ज्ञान

दिनांक 05.08.2023 को सुधा डेयरी बरौनी में अनुभवात्मक शिक्षा की दिशा में एक एक्सपोज़र विजिट के लिए 48 बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) के छात्र, बी.टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी) और एम.टेक (पी.एफ.ई) के छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई।

➤ एआर-वीआर श्रृंखला

दिनांक 23 अगस्त से 25 अगस्त 2023 के मध्य कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के छात्रों के लिए आभासी वास्तविकता वर्चुअल रियलिटी (वी.आर.) और ऑगमेंटेड रियलिटी (ए.आर.), पर दूसरी संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई।

➤ बोर्ड ऑफ़ स्टडीज

दिनांक 25 अगस्त, 2023 को आर. के. राय वेब कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा की अध्यक्षता में 7वीं बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक हुई जिसके अंतर्गत डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स और सूक्ष्म सिंचाई पर नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार विमर्श किया गया।

➤ पाठ्यक्रम समापन

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में बीएस.सी. (ऑनर्स) कृषि के 89 छात्रों ने सफलतापूर्वक अपना पाठ्यक्रम पूरा किया जिसमें लगभग 80% छात्र डिस्टिंक्शन के साथ उत्तीर्ण हुए। कुमारी साक्षी प्रिया बैच की सर्वश्रेष्ठ छात्रा रहीं।

➤ संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के संकाय सदस्यों ने दिनांक 29 अगस्त, 2023 के ऐरिस सेल, टीसीए ढोली द्वारा दीक्षा पोर्टल के प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लिया।

➤ कॉर्पोरेट संवाद श्रृंखला

दिनांक 18 अगस्त को कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय, पूसा की ओर से 8वीं कॉरपोरेट डायलॉग सीरीज का आयोजन किया गया जिसमे अतिथि वक्ता श्री सतीश तिवारी, उपाध्यक्ष (सेल्स एंड मार्केटिंग) जेनक्रेस्ट ने उपस्थिति दर्ज की। सत्र में 'कृषि व्यवसाय रणनीतियों में स्थायी कृषि के समावेशन' पर प्रकाश डाला गया।

EDUCATION & EDUCATIONAL ACTIVITIES

➢ Industry-Academia Meet

CAET, RPCAU organized an Industry-Academia Meet on the theme, 'Policies for Boosting Farm Mechanisation and Development of Precision Machinery' in joint collaboration with AMMA (Bihar chapter) and ISAE (Bihar chapter) on 26th August 2023. Event was presided by Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU and overall 15 leading manufacturers from Bihar attended this event.

➢ Experiential learning

An exposure visit towards experiential learning for 48 students of B.Tech. (Agricultural Engineering), B.Tech (Food Technology) and M. Tech (PFE) was conducted to Sudha Dairy at Barauni on 05.08.2023

➢ AR-VR Series

In the series of Virtual Reality (VR) and Augmented Reality (AR), 2nd sensitization workshop was conducted for the RPCAU students at CAET, RPCAU Pusa during 23rd to 25th August 2023.

➢ BoS, CAET

7th Board of Studies (BoS) meeting was held on 25th August, 2023 at R. K. Rai Web Conference Hall under the chairmanship of Dean, CAET with a proposal for starting new diploma courses on Drone Technology, AI & Robotics and Micro-irrigation to further boost the resolution towards digital agriculture.

➢ Programme completion

A total of eighty nine (89) students of B.Sc. (Hons.) Agriculture at TCA, Dholi successfully completed their programmee of which approximetly 80 per cent secured distinction. Miss Shakshi Priya remain the overall topper of the batch which is a testament of her hard work.

➢ Faculty Training

Faculty members of TCA, Dholi attended demonstration of Agri-Diksha Portal organised by the ARIS Cell, TCA Dholi on 29th August, 2023.

➢ Corporate Dialogue Series

8th Corporate Dialogue Series was organized by the School of Agri-Business and Rural Management, Pusa on 18th August with guest speaker Mr. Satish Tiwari, Vice President (Sales & Marketing) of Gencrest. The session has shed the highlights on 'Incorporating Sustainable Agriculture into Agribusiness Strategies.'

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ पश्चिमी चंपारण (बिहार) के 'मर्चा धान' को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला

विश्वविद्यालय ने मर्चा धान उत्पादक प्रगतिशील समूह को जिला प्रशासन, पश्चिमी चंपारण (बिहार) के साथ जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया। 'मर्चा' चावल की लघु स्वदेशी किस्म है जो स्थानीय रूप से पश्चिम चंपारण जिले में पाई जाती हैं। इसका आकार और माप काली मिर्च की तरह दिखाई देता है, इसलिए इसे मिर्चा या मर्चा धान के नाम से जाना जाता है। 'मर्चा धान' अपनी खुशबू स्वाद,और सुगंधित चूड़ा के गुण के लिए मशहूर है। जीआई टैग का प्रमाण पत्र 31 जुलाई 2023 को जारी की गई थी और यह 28.11.2031 तक वैध रहेगा।

➢ डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा को पोषक खाद्य संरचना और तैयारी की प्रक्रिया के लिए पेटेंट मिला

दिनांक 25.02.2021 से 20 वर्ष की अवधि के लिए दिनांक 31.08.2023 को पेटेंट के मौजूदा संग्रह को समृद्ध करने की प्रक्रिया में, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा को एक और पेटेंट मिला है- डॉ. उषा सिंह द्वारा आविष्कार की गई तकनीक का शीर्षक है, 'ऊर्जा से भरपूर पोषक आहार: संतुलित पोषण संरचना और तैयारी की प्रक्रिया'।

Technology inventor Dr. Usha Singh distributing the patented nutritive food composition among the stakeholders

➢ डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा में हल्दी के गुणवत्तापूर्ण बीज कंद का उत्पादन

हल्दी उत्पादकों के लिए गुणवत्तापूर्ण हल्दी बीज कंदों की भारी मात्रा मसालों पर प्रायोजित योजना विकास यानी, MIDH-स्पाइस तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में संचालित हल्दी की केन्द्र के माध्यम से उत्पादित किया गया था जिसे देश भर से इच्छुक हितधारकों को हल्दी बीज कंदों की बिक्री के माध्यम से रु. 30 लाख की आय हुई है।

➢ 51 किसानों के बीच मछली स्पान वितरण

मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा मत्स्य हैचरी और फार्म सुविधा द्वारा भुगतान के आधार पर किसानों को 1.7 मिलियन भारतीय मेजर कार्प्स मछलियों के स्पॉन वितरित किये गये। गुणवत्तापूर्ण मछली की मांग को पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया।

➢ पार्थेनियम जागरूकता अभियान एवं विचार-मंथन सत्र का आयोजन

दिनांक 22 अगस्त 2023 को सस्य विज्ञान विभाग,स्नाकोत्तर कृषि महाविद्यालय,पूसा एवं जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में से पार्थेनियम जागरूकता अभियान एवं विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया। पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह के दौरान पार्थेनियम उन्मूलन का कार्यक्रम परिसर में मनाया गया।.अधिष्ठाता स्नाकोत्तर कृषि महाविद्यालय,पूसा, निदेशक अनुसंधान, अध्यक्ष (सस्य विज्ञान विभाग) सहित संकाय सदस्य, कर्मचारी, और महाविद्यालय के छात्र सत्र में उपस्थित रहे। दोपहर के मंथन सत्र में "पार्थेनियम जीव-विज्ञान एवं प्रबंधन" सत्र का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अधिष्ठाता,स्नाकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा ने की। डॉ. जे. जी. वार्ष्णेय, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-डीडब्ल्यूआर,जबलपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने पार्थेनियम संक्रमण उनका वितरण,प्रबंधन औरअवलोकन" विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. मुकेश कुमार, सह-प्राध्यापक, एग्रोनॉमी ने भी "पार्थेनियम संक्रमण: जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" विषय पर भाषण दिया। इसमें 50 से अधिक वैज्ञानिक एवं छात्र उपस्थित थे। यह कार्यक्रम पार्थेनियम खरपतवार और उनके प्रबंधन के बारे में जागरूकता ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया।

RESEARCH ACTIVITIES

➢ 'Marcha Dhaan' of West Champaran (Bihar) got the status of Geographical Indication (GI)

RPCAU facilitated the Marcha Dhan Utpadak Pragatisheel Samuh, to get the Geographical Indication status for the 'Marcha Dhaan' in co-ordination with the District Administration, West Champaran (Bihar). 'Marcha' is a short bold indigenous cultivar of rice locally found in West Champaran District of Bihar. The size and shape of grain appears like black pepper, so it is known as Mircha or Marcha Rice. 'Marcha Rice' is famous for its aromatic flavour, palatability and aromatic chura (rice flakes) making qualities. The certificate of Geographical Indication status was issued on 31.07. 2023 and will be valid till 28.11.2031.

➢ RPCAU got patent for Nutritive Food Composition and Process for Preparation

In a process of enriching the existing collection of patents, RPCAU bags another patent on the technology invented by Dr. Usha Singh entitled, 'Energy Dense Nutritive Food having Balanced Nutritional Composition and Process for Preparation'. The patent has been grated on 31.08.2023 for a period of 20 year from 25.02.2021.

Technology inventor Dr. Usha Singh distributing the patented nutritive food composition among the stakeholders

➢ Production of Quality Seed Tuber of Turmeric in RPCAU

A huge quantity of quality seed tubers of turmeric for the turmeric growers was produced through the Centrally Sponsored Scheme on Spices Development i.e., MIDH-Spice operating at TCA, Dholi. A revenue of Rs. 30 lakhs have been generated through sales of turmeric seed tubers to the interested stakeholder across the country.

➢ Fish Spawn distributed among the Farmers

Spawn of 1.7 million Indian Major Carps fish were distributed to the fish farmers on payment basis by the Fish Hatchery and Farm facility of College of Fishery, Dholi. This was taken up to fulfil the demand for quality fish spawn among the fish farmers of the region.

➢ Parthenium Awareness Campaign and Brainstorming Session Organized

The Dept. of Agronomy, PGCA, Pusa, in collaboration with the Center for Advanced Studies on Climate Change, RPCAU, jointly organized Parthenium Awareness Campaign on August 22, 2023, during "Parthenium Awareness Week." The uprooting programme of Parthenium weeds on the campus was done. The Dean, PGCA, Director Research, Head of the Department (Agronomy) along with the faculty members, staffs, and students of the college were present in the session. In the afternoon session, a Brainstorming Session was organized on "Parthenium Biology and Management" under the chairmanship of Dean, PGCA. Dr. J.G. Varshney, former Director, ICAR-DWR, Jabalpur was present as the Chief Guest, and he delivered a lecture on "Overview of Parthenium infestation their distribution, and management". Dr. Mukesh Kumar, Associate Professor, Agronomy also delivered a speech on "Climate Change Effect on Parthenium Infestation." More than 50 scientists, and students were present in the Brainstorming Session. The event was organized for imparting knowledge and awareness of Parthenium weeds and their management.

➢ **दिनांक 22 अगस्त 2023 को, 18वें पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह** 16-22 अगस्त, 2023 तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी, मोतिहारी ने "पार्थेनियम एवं खाद बनाने में इसकी उपयोगिता" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, सुखेत में "पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह " का आयोजन** दिनांक 16 से 22 अगस्त तक कृषि विज्ञान केंद्र के परिसर में आयोजित किया गया साथ ही प्रशिक्षण, किसान भूखंड भ्रमण और रैली कार्यक्रम के माध्यम से परिसर के बाहर भी कार्यक्रम का प्रसार किया। इस कार्यक्रम के दौरान किसान-वैज्ञानिक बातचीत में भी पार्थेनियम के मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव और उससे निपटान के तरीके पर विस्तृत चर्चा की गयी।

➢ **"महिला उद्यमिता" पर मैनेज के साथ सहयोगात्मक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन**

दिनांक 16 से 18 अगस्त 2023 तक कृषि प्रसार शिक्षा विभाग, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा, और मैनेज, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से 'महिला उद्यमिता' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह में निदेशक प्रसार और अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि, विश्वविद्यालय, पूसा के साथ डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जेंडर अध्ययन), मैनेज, हैदराबाद उपस्थित रहे। मॉड्यूल में बागवानी फसलें, मुर्गीपालन, मशरूम मूल्यवर्धन, बाजरा, केला अपशिष्ट उपयोग, लिंग विश्लेषण उपकरण और जलवायु-स्मार्ट कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर से 125 प्रतिभागी शामिल हुए।

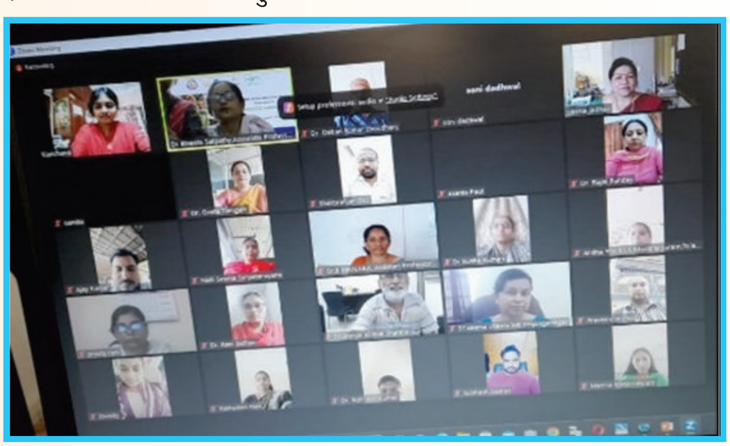

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक**

कृषि विज्ञान केन्द्र, शिवहर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 4 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई। माननीय कुलपति की अध्यक्षता में तथा कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर के अध्यक्ष की उपस्थिति में जिला स्तरीय कृषि प्रभाग, नाबार्ड, राष्ट्रीय बैंकों के अधिकारियों के बीच चर्चा की गयी। चर्चा में सभी हितधारकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान एवं कृषक समुदाय को सशक्त बनाने पर बल दिया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, सुखेत ने 5 दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन:** दिनांक 16 अगस्त से 20 अगस्त, 2023 तक "वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग विधियों" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 35 प्रतिभागियों ने (29 पुरुष और 6 महिलाएं ने) भाग लिया, प्रशिक्षणार्थियों को नई डेयरी फार्मिंग और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन से सम्बंधित प्रौद्योगिकियों पर व्यापक जानकारी प्रदान की गई।

➢ **चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति (SAC) की बैठक** दिनांक 29/08/2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सुखेत, मधुबनी में आयोजित की गयी। माननीय कुलपति की अध्यक्षता में बैठक। प्रसार शिक्षा निदेशक, पूसा, डीडीएम, नाबार्ड, मधुबनी, सहायक निदेशक (बागवानी, कृषि इंजीनियरिंग, पौध संरक्षण) और अन्य अधिकारी बैठक उपस्थित रहे।

➢ **दिनांक 22 अगस्त, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर एवं नरकटियागंज** में संयुक्त रूप से वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमे डॉ. ए. के. सिंह निदेशक, गन्ना अनुसन्धान संस्थान, डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. के.जी. मंडल, निदेशक-आईसीएआर,

➢ **PDDUCH&F, Piprakothi, Motihari organized** a seminar on the topic "Parthenium and its Utilization in Compost Making" on 22 August, 2023 to follow the program of 18th Parthenium Awareness Week from 16-22 August, 2023.

➢ **KVK Sukhet conducted "Parthenium Awareness Week"** from 16th to 22nd August in KVK campus as well off out campus through training, farmer plot visit and rally programme. During this event farmer- scientist interaction conducted on topic of proper disposal methods of parthenium and their harmful effects on humans as well as animal health.

➢ **Manage Collaborative online Training Programme on "Women entrepreneurship" organized from 16th -18th August 2023**

Dept. of Agricultural Extension Education, RPCAU, Pusa, and MANAGE, Hyderabad jointly organized a three-day online training on "Women Entrepreneurship" from August 16th to 18th, 2023. The Inaugural function was graced by the Director Extension and Dean College of Community Science, RPCAU, Pusa along with Dr. Veenita Kumari, Dy. Director (Gender Studies), MANAGE, Hyderabad. The module covered various sectors like horticultural crops, poultry keeping, mushroom value addition, millets, banana waste utilization, gender analysis tools, and climate-smart adaptation. The event had 125 participants from across the country.

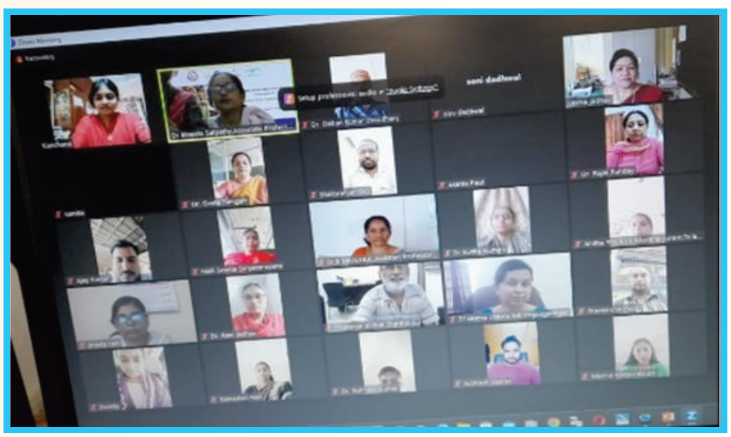

EXTENSION ACTIVITIES

➢ **Scientific Advisory Committee Meeting**

Scientific advisory committee meeting of KVK, Sheohar was held on 4th August, 2023 at KVK, Sheohar under the Chairmanship of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU in the presence of various officers from district level agriculture division, NABARD, national banks among others. Discussion covered various issues concerned with all the stakeholders and emphasis was provided to empower farming community through various impactful interventions through institutional collaboration.

➢ **KVK Sukhet conducted a 5-day Rural Youth Training Programme on "Scientific Dairy Farming Methods"** from August 16th to 20th, 2023. A total of 33 participants (29 male and 6 female) were part of this training program, which provided comprehensive information on new dairy farming technologies and animal health management practices.

➢ **4th Scientific Advisory Committee (SAC) meeting** was organized at **KVK Sukhet, Madhubani** on dated 29/08/2023. Hon'ble Vice Chancellor chaired the meeting as "Chief Guest". Director of Extension Education, Dr RPCAU, Pusa; DDM, NABARD, Madhubani; Assistant Directors (Horticulture, Ag. Eng., Plant Protection) and other officers of agriculture and allied sector, Madhubani were also present in the meeting.

➢ **Krishi Vigyan Kendra, Madhopur, and Narkatiaganj jointly organized a Scientific Advisory Committee (SAC) Meeting** chaired by Dr. P.S. Pandey, Hon'ble Vice Chancellor of RPCAU, Pusa, and attended by the officers including Dr. A.K. Singh, Director SRI, Dr. M.S. Kundu, Director Extension Education, Dr. K.G. Mandal, Director-

एमजीएफआरआई, मोतिहारी, डॉ. डी.के. राय, निदेशक बीज, डॉ. ए. कुंडू, परियोजना निदेशक, आरजीएम, पीपराकोठी, डॉ. वी.पी. सिंह, सेवानिवृत्त. प्रोफेसर (कृषि विज्ञान), डॉ. आर.के. झा, प्रोफेसर वानिकी, पीपराकोठी, और चार नामांकित प्रगतिशील किसान सहित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में माननीय कुलपति ने सुधार और लक्ष्य उपलब्धियों के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

➢ **ग्रामीण युवा प्रशिक्षण**

“कटाई उपकरणों के चयन, संचालन एवं रखरखाव” पर चार दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज में एसएमएस (एजी. इंजीनियरिंग) द्वारा दिनांक 16.08.2023 से 19.08.2023 तक इक्कीस ग्रामीण युवाओं की भागीदारी के साथ चार दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में, प्रशिक्षुओं ने विभिन्न कटाई उपकरण के चयन और संचालन तथा विभिन्न फसलों यथा धान, गेहूँ, मक्का, गन्ना आदि विधि स्व-चालित रीपर सह बाइंडर का प्रदर्शन कर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना एवं रखरखाव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम बिशंभरपुर गांव में आयोजित किया गया, दिनांक 18-08-2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, गोपालगंज में कीटनाशकों का चयन, रख रखाव एवं मवेशियों में प्रजनन की समस्याओं के नियंत्रण एवं प्रबंधन के लिए बैठक आयोजित की गई।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर** ने अपने परिसर में दिनांक 16-30 अगस्त 2023 के दौरान 15 दिवसीय आईएनएम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 40 उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया साथ हीं अन्य गतिविधियाँ जैसे समूह बैठक, इनपुट वितरण और एक्सपोज़र विजिट भी आयोजित की गई।

➢ **दिनांक 20 अगस्त 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तुर्की** ने 'कृषि औजारों का रख-रखाव और मरम्मत" विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 17वीं सैक बैठक के दौरान आयोजित किया। इस आयोजन में 25 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया, वहीं एक अन्य कार्यक्रम में दिनांक 19/08/2023 को डीएईएसआई के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई।

➢ **संवादात्मक सत्र और क्षेत्र स्तरीय प्रदर्शन**

दिनांक 16 अगस्त 2023 को मेंथा और मशरूम पर किसानों और वैज्ञानिकों के बीच एक संवाद सत्र का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र माधोपुर में किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, माधोपुर के अध्यक्ष और पश्चिमी चंपारण के जिला कृषि पदाधिकारी ने भाग लिया।

➢ **बाजरा रेसिपी प्रतियोगिता**

दिनांक 22 अगस्त, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज द्वारा बाजरा रेसिपी प्रतियोगिता आयोजित की गई । विभिन्न क्षेत्रों से इकतीस प्रतिभागी गांवों ने व्यंजन बनाकर अपने पाक कौशल का प्रदर्शन मोरधन खीर, मडुआ रोटी, इत्यादि बना कर किया । शीर्ष 5 व्यंजनों का चयन ऑर्गेनोलेप्टिक परीक्षण के आधार पर किया गया, रंग, स्वाद, गंध और बनावट का मूल्यांकन करना। प्रतिभागियों ने जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बाजरा की विभिन्न किस्मों एवं पोषण मूल्य और महत्व के बारे में भी जाना।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत ने "व्यावसायिक बकरी पालन" विषय** पर ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम एससीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम राठोस में आयोजित किया गया। इस आयोजन में 33 महिलाएं (एससी श्रेणी) ने भाग लिया और व्यावसायिक बकरी पालन के बारे में जानकारी प्राप्त की। कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत के अध्यक्ष ने बकरी स्वास्थ्य और चारा प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्रदान की।

➢ **विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.राकेश मणि शर्मा ने 29 अगस्त, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र,गोपालगंज का भ्रमण किया।** प्रदर्शन इकाइयों, बीज उत्पादन इकाई और प्रायोगिक परीक्षणों को देखने के बाद, उन्होंने विश्वविद्यालय में उपलब्ध एंटी प्लेगटिसम

ICAR, MGFRI, Motihari, Dr. D.K. Rai, Director Seed, Dr. A. Kundu, Project Director, RGM, Piprakothi, Dr. V.P. Singh, Retd. Professor (Agronomy), Dr. R.K. Jha, Professor forestry, Piprakothi, and four nominated progressive farmers. The SAC meeting took place on August 22, 2023, during which the Hon'ble Vice Chancellor provided valuable suggestions for improvement and target achievements.

➢ **Rural Youth Training**

A four days Rural youth training programme on "Selection, operation, and maintenance of harvesting implements was conducted by SMS (Ag. Engg.) at KVK Gopalganj from 16.08.2023 to 19.08.2023 covering the participation of twenty-one rural youth. In this programme, trainees learned different harvesting implements' s selection and operation for paddy, wheat, maize, sugarcane etc. Method demonstration of self-propelled reaper cum binder was given to trainees. Three more training programme on the subject " Installation and maintenance of Drip irrigation system" conducted at Bishambharpur Village, "Pesticide Selecetion, handling, application and disposal for extension functionaries and "Reproductive problems in cattle: control and management" were also conducted by KVK Gopalganj .

➢ **Krishi Vigyan Kendra, Madhopur** conducted 15 Days INM training programme from 16-30th August 2023 at KVK, Madhopur campus which was attended by 40 Fertilizer input dealers. Other activities like group meeting, input distribution and exposure visit also conducted.

➢ **Krishi Vigyan Kendra, Turki** conducted four days rural youth training programme on 'Repairing and maintenance of farm implements.' Held during 17th to 20th August, 2023. In this event 25 rural youth participate on 17-20/08/2023 at KVK Turki. In another event, exposure visit was conducted for DAESI members at KVK Turki farm on 19/08/2023.

➢ **Interactive Session and FLD**

An interactive session between farmers and scientists focusing on Mentha and Mushroom cultivation was organized at KVK Madhopur on August 16th, 2023 with field Level Demonstration (FLD) was conducted on indigenous breeds of chicks, where indigenous breeds of chicks (Vanraj & Sonali) were distributed to 25 women farmers, primarily from the SC/ST category. Each woman received 24 chicks for their farming activities.

➢ **Millet Recipe Contest**

A millet recipe contest was held by KVK, Gopalganj on August 22, 2023. Thirty-one participants from various villages showcased their culinary skills, creating dishes like mordhan kheer, madua roti, and more. The top 5 recipes were selected based on an organoleptic test, evaluating color, taste, smell, and texture. Participants also learned about the nutritional value and importance of different millets in the context of climate change.

➢ **KVK Sukhet conducted off campus training programme** in Village- Rathos (Bisfi) under SCSP programme on topic **"Commercial Goat Farming"**. In this event, 33 women (SC category) participated and got details about commercial goat farming. Senior scientist and Head, KVK, Sukhet provide the information related to the goat health and feed management.

➢ **University Librarian, Dr. Rakesh Mani Sharma visited KVK, Gopalganj** on 29th August, 2023. After seeing the demonstration units, seed production unit and experimental trials, he discussed with

सॉफ्टवेयर पर वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। उन्होंने वैज्ञानिकों को शोध पत्रों की समग्र संरचना में सुधार के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले पेपर लिखने और एंटी प्लेगटिसम टूल सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ज्ञान उन्नयन और बेहतर प्रकाशन के लिए पुस्तकालय संसाधनों की ई-रिसोर्सेज पर भी चर्चा की।

➤ **"कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना" परियोजना के तहत गतिविधियाँ**

खेम मटिहनिया गांव में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 50 किसानों ने भाग लिया। उन्हें प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं के बारे में शिक्षित किया गया, जिसमें जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, दशपर्णी अर्क आदि की तैयारी शामिल थी। कृषि विज्ञान केंद्र प्रदर्शन इकाई में जीवामृत और घनजीवामृत का नियमित रूप से उपयोग किया जाता है।

खेल ,पुरस्कार और अन्य गतिविधियाँ

➤ **विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।**

➤ **आधार विज्ञान एवं मानविकी संकाय के बी.टेक के छात्र** सुश्री श्रुति ठाकुर और विनय शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित "जैव प्रौद्योगिकी में अखिल भारतीय अकादमिक स्नातक सम्मेलन में पादप जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों पर मौखिक प्रस्तुतियों में शीर्ष स्थान हासिल किये। इसके अलावा, इस इवेंट में माइक्रोबायोलॉजी श्रेणी में सुश्री शैल प्रिया ने तीसरा स्थान हासिल किया।

➤ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली का 63वां स्थापना दिवस** डॉ. पी. एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया। विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता और निदेशक,वैज्ञानिक, छात्र, कर्मचारी सदस्य और मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया गया।

➤ **श्री एम.के. सिंह,** सहायक प्राध्यापक, अभिषेक कुमार, लैब तकनीशियन, और श्री साजन कुमार भारती, कुशल सहायक कर्मचारी, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने भाग लिया भा. कृ . अनु. प. - केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसन्धान संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा दिनांक 07/08/2023 से 21/08/2023 तक आयोजित "मीठे पानी के विशाल झींगा प्रजनन, बीज उत्पादन" कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

➤ **माननीय कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह जो 31 अगस्त, 2023 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए, का आयोजन किया गया।**

1. **डॉ० एम. एन. झा**
   प्राध्यापक, माइक्रोबायोलॉजी
2. **डॉ० सुरेश कुमार वर्मा**
   प्राध्यापक, प.दी.द.उ.वा. महाविद्यालय पीपराकोठी
3. **श्री चंद्र भूषण शर्मा**
   वरीय तकनिकी अधिकारी, मुख्यालय
4. **श्री विजय कुमार**
   वरीय तकनिकी अधिकारी, कीट विज्ञान विभाग
5. **श्री परमानन्द चौधरी**
   सहायक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली

the scientists on the anti-plagiarism software available with the university. He encouraged the scientists to write good quality papers and use plagiarism tool to improve overall structure of the manuscript. He also discussed the e-access of library resources for knowledge upgrading and better publication.

➢ **Activities under project "Outscaling of Natural Farming through KVKs"**

An awareness program was conducted in Khem Matihaniya village, with 50 participating farmers. They were educated about various aspects of Natural Farming, including the preparation of jeevamrit, Ghanjeevamrit, neemastraa, brahamastra, dash parni ark, etc. Jeevamrit and Ghanjeevamrit were regularly applied at the KVK demonstration unit.

AWARD SPORTS & OTHERS ACTIVITIES

➢ **TCA, Dholi got 1st prize** in cultural programme organised on the eve of Independence Day at RPCAU, Pusa

➢ **B. Tech. students** of CBSH, Ms. Sruti Thakur & Mr. Vinay Sharma, secured top 2 positions in their respective oral presentations on Plant Biotechnology at a national level event on 'All India Undergraduate Academic Convention in Biotechnology'. Also, Ms. Shail Priya in Microbiology category secured 3rd position in this event.

➢ **63rd Foundation Day of Tirhut College of Agriculture, Dholi**, Muzaffarpur was celebrated in the gracious presence of Dr. P. S. Pandey, Hon'ble Vice Chancellor, all the Deans and Directors of the University, scientists, students, staff members and media personnel. Students were also felicitated for their outstanding achievements.

➢ **Mr. M.K. Singh**, Assistant Professor; Mr. Abhishek Kumar, Lab technician, and Mr. Sajan Kumar Bharti, Skilled Supporting staff, CoF, Dholi, participated in the training programme on "Breeding, Seed Production and Culture of Freshwater Giant Prawn (Macrobrachium rosenbergii)" at ICAR-Central Institute of Freshwater Aquaculture, Bhubaneswar from 07/08/2023 to 21/08/2023

➢ **A farewell ceremony of the following university employees who superannuated from University Service on 31th August, 2023 was organized in the gracious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa**

1. **Dr. M. N. Jha**
   Professor, Microbiology CB S&H, Pusa
2. **Dr. Suresh Kumar Verma,**
   Professor, PDUCH&F, Piprakothi
3. **Shri Chandra Bhushan Sharma**
   STO (T6), Hqr.
4. **Shri Vijay Kumar**
   STO (T6), Deptt. of Entomology
5. **Shri Parmanand Chaudhary**
   Assistant, COF, Dholi